



प्रेस विज्ञप्ति

**उत्कर्ष ओडिशा कॉन्क्लेव के दौरान आईआईटी भुवनेश्वर में सिलिकॉन कार्बाइड रिसर्च
एंड इनोवेशन सेंटर (SiCRIC) - एक संयुक्त उद्योग प्रयोगशाला का उद्घाटन**

भुवनेश्वर, 31 जनवरी 2025: सिलिकॉन-कार्बाइड रिसर्च एंड इनोवेशन सेंटर (SiCRIC) - आईआईटी भुवनेश्वर और SiCSem प्राइवेट के बीच एक संयुक्त उद्योग प्रयोगशाला। लिमिटेड का उद्घाटन वस्तुतः श्री अश्विनी वैष्णव, माननीय केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री, भारत सरकार द्वारा किया गया। उत्कर्ष ओडिशा के दौरान भारत इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी। यह केंद्र आईआईटी भुवनेश्वर में रुपये की शुरुआती लागत पर बनाया जा रहा है। 45 करोड़, और उम्मीद है कि SiC क्रिस्टल विकास की तकनीक को स्वदेशी बनाया जाएगा, और 150 मिमी और 200 मिमी SiC वेफर्स का उच्च मात्रा में उत्पादन किया जाएगा। केंद्र रुपये को अनुसंधान और नवाचार सहायता प्रदान करेगा। 3000 करोड़ की लागत से SiC डिवाइस निर्माण और एटीएमपी प्लांट SiCSem प्राइवेट लिमिटेड द्वारा स्थापित किया जा रहा है। लिमिटेड आईआईटी भुवनेश्वर से 15 किमी दूर इन्फोवैली-2 में है। इस संयंत्र की आधारशिला SiCRIC के उद्घाटन से पहले वस्तुतः ओडिशा के माननीय मुख्यमंत्री श्री मोहन चरण माझी द्वारा रखी गई थी। डॉ. मुकेश महालिंग, माननीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, संसदीय कार्य और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईटी मंत्री, भारत सरकार। इस अवसर पर ओडिशा के प्रोफेसर श्रीपाद कर्मलकर, निदेशक, आईआईटी भुवनेश्वर और श्री गुरु थलापानेनी, प्रबंध निदेशक, SiCSem प्राइवेट लिमिटेड उपस्थित थे।

इस अवसर पर बोलते हुए, प्रो. कर्मलकर ने कहा: "केंद्र सरकार। एक ऐसी कथा बनाने में सफल रहा है जहां औसत व्यक्ति अर्धचालकों के बारे में बात कर रहा है। इसने कई महत्वपूर्ण सेमीकंडक्टर परियोजनाओं को मंजूरी दी है। ओडिशा सरकार ने SiCSem और RIR जैसे कंपाउंड सेमीकंडक्टर फैब्स को आकर्षित करने के लिए एक साहसिक निर्णय लिया है। सेमीकंडक्टर पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण के लिए उद्योग और शिक्षा जगत और शिक्षा जगत में बहु-विषयक संकाय के बीच घनिष्ठ सहयोग की आवश्यकता होती है। सिलिकॉन कार्बाइड रिसर्च एंड इनोवेशन सेंटर (SiCRIC) का आज उद्घाटन किया गया, यह देश में SiCSem प्राइवेट लिमिटेड और आईआईटी भुवनेश्वर के बीच एक अद्वितीय संयुक्त उद्योग प्रयोगशाला है, जो इन सभी विचारों को समाहित करता है। आईआईटी भुवनेश्वर सामान्य रूप से सेमीकंडक्टर और विशेष रूप से कंपाउंड सेमीकंडक्टर में एंड-टू-एंड प्रौद्योगिकी विकास के लिए अनुसंधान, नवाचार और कौशल प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। शुरु से अंत तक का मतलब है पाउडर से क्रिस्टल तक वेफर्स से लेकर डिवाइस फैब, पैकेजिंग, पीसीबी और सिस्टम या उत्पाद तक की पूरी श्रृंखला।

अपने बयान में, श्री थलपानेनी ने कहा: “देश की पहली समर्पित सिलिकॉन कार्बाइड अनुसंधान सुविधा के निर्माण में आईआईटी भुवनेश्वर के साथ इस अकादमिक और उद्योग सहयोग से सिकसेम उत्साहित है। यह न केवल सेमीकंडक्टर क्षेत्र के लिए अत्याधुनिक उत्पाद विकसित करेगा बल्कि सेमीकंडक्टर क्षेत्र में करियर बनाने के लिए छात्रों के लिए एक कौशल विकास केंद्र के रूप में भी काम करेगा।
